अध्याय 7

जनसंख्या

वर्तमान में तेज गति से सामाजिक–आर्थिक विकास हो रहा है। जरा सोचिए! यह विकास किसने किया है? इसके लिए लोग ही जिम्मेदार हैं। लोगों का शारीरिक श्रम एवं मानसिक क्षमता दोनों मिलकर प्रकृति में उपलब्ध चीजों के द्वारा अपने लिए अनेक संसाधनों का निर्माण करते हैं जो हमें विकास के पथ पर आगे बढ़ाते हैं। अतः किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या ही सबसे महत्वपूर्ण संसाधन होती है जिनकी उद्यमशीलता पर विकास निर्भर करता है। जनसंख्या एवं उसके विभिन्न पक्षों का अध्ययन अति आवश्यक है, क्योंकि किसी भी क्षेत्र का विकास वहाँ की जनसंख्या पर ही निर्भर करता है।

क्या आप जानते हैं–

भारत में पहली जनगणना सन् 1872 में की गई जबकि पहली संपूर्ण जनगणना सन् 1881 में की गई थी। इसके बाद प्रत्येक 10 वर्षों के अन्तराल पर जनगणना का कार्य 'भारतीय जनगणना विभाग' द्वारा किया जाता है।

सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 5.7 प्रतिशत भाग राजस्थान में निवास करता है। कई दूसरे राज्य–जैसे बिहार, बंगाल और केरल की तुलना में यहाँ की आबादी उतनी सघन नहीं है। 6.9 करोड़ जनसंख्या में से लगभग 75 प्रतिशत लोग गाँवों में रहते हैं। राज्य की शहरी आबादी लगभग 25 प्रतिशत है जो छोटे–बड़े शहरों में निवास करती हैं।

जनसंख्या का वितरण और घनत्व

पृथ्वी की सतह पर आबादी के फैलाव को जनसंख्या वितरण कहते हैं। पृथ्वी पर जनसंख्या वितरण असमान है। जैसा कि आप जानते हैं कि कुछ क्षेत्र में जनसंख्या बहुत अधिक पाई जाती है, जिन्हें सघन क्षेत्र तथा वे क्षेत्र जहाँ जनसंख्या कम पाई जाती है, उन्हें विरल क्षेत्र कहते हैं। जैसे राज्य के उत्तरी–पूर्वी भाग के मैदानी क्षेत्र में सघन एवं पश्चिमी भाग में स्थित थार के मरूस्थल में विरल जनसंख्या पाई जाती है। सघन एवं विरल क्षेत्र हमें जनसंख्या घनत्व के बारे में बताते हैं। जनसंख्या घनत्व एक मापक है जो किसी स्थान की जनसंख्या एवं उसके क्षेत्रफल में सम्बन्ध बताता है। अर्थात् एक स्थान के क्षेत्रफल (लम्बाई x चौड़ाई, जिसे हम वर्ग कि.मी. में मापते हैं) पर निवास करने वालों की संख्या बताता है। जैसे राजस्थान में जनसंख्या का घनत्व 200 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है, जबकि बिहार में यह संख्या 1100 से अधिक है।

अतः जनसंख्या घनत्व मापक की इकाई व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. होती है। उदाहरण के रूप में यदि किसी एक गाँव की कुल जनसंख्या 1000 है एवं उसका क्षेत्रफल 50 वर्ग किमी. है तो उस गाँव में जनसंख्या का घनत्व (1000 / 50) 20 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. होगा।

आओ करके देखें–

आप अपने गाँव / मौहल्ले की कुल जनसंख्या एवं क्षेत्रफल के आँकड़े लेकर उसका जनघनत्व ज्ञात कीजिए।

सारणी संख्या–1

क्रस	जिला	कुल जनसंख्या	जन घनत्व	वृद्धि दर	लिंग अनुपात	साक्षरता	पुरुष साक्षरता	महिला साक्षरता
1	श्रीगंगानगर	1969168	179	10.0	887	69.6	78.5	59.7
2	हनुमानगढ़	1774692	184	16.9	906	67.1	77.4	55.8
3	बीकानेर	2363937	78	24.3	905	65.1	75.9	53.2
4	चूरू	2039547	147	20.3	940	66.8	78.8	54.0
5	झुंझुनू	2137045	361	11.7	950	74.1	86.9	61.0
6	अलवर	3674179	438	22.8	895	70.7	83.7	56.3
7	भरतपुर	2548462	503	21.4	880	70.1	84.1	54.2
8	धौलपुर	1206516	398	22.7	846	69.1	81.2	54.7
9	करौली	1458248	264	20.9	861	66.2	81.4	48.6
10	सवाई माधोपुर	1335551	297	19.6	897	65.4	81.5	47.5
11	दौसा	1634409	476	23.5	905	68.2	83.0	51.9
12	जयपुर	6626178	595	26.2	910	75.5	86.1	64.0
13	सीकर	2677333	346	17.0	947	71.9	85.1	58.2
14	नागौर	3307743	187	19.2	950	62.8	77.2	47.8
15	जोधपुर	3687165	161	27.7	916	65.9	79.0	51.8
16	जैसलमेर	0669919	17	31.8	852	57.2	72.0	39.7
17	बाड़मेर	2603751	92	32.5	902	56.5	70.9	40.6
18	जालौर	1828730	172	26.2	952	54.9	70.7	38.5
19	सिरोही	1036346	202	21.8	940	55.3	70.0	39.7
20	पाली	2037573	164	11.9	987	62.4	76.8	48.0
21	अजमेर	2583052	305	18.6	951	69.3	82.4	55.7
22	टोंक	1421326	198	17.3	952	61.6	77.1	45.4
23	बूँदी	1110906	192	15.4	925	61.5	75.4	46.6
24	भीलवाड़ा	2408523	230	19.2	973	61.4	75.3	47.2
25	राजसमंद	1156597	248	17.7	990	63.1	78.4	48.0
26	डूँगरपुर	1388552	368	25.4	994	59.5	72.9	46.2
27	बाँसवाड़ा	1797485	397	26.5	980	56.3	69.5	43.1
28	चित्तौड़गढ़	1544338	197	16.1	972	61.7	76.6	46.5
29	कोटा	1951014	374	24.4	911	76.6	86.3	65.9
30	बाँरा	1222755	175	19.7	929	66.7	80.4	52.0
31	झालावाड़	1411129	227	19.6	946	61.5	75.8	46.5
32	उदयपुर	3068420	262	23.7	958	61.8	74.7	48.4
33	प्रतापगढ़	0867848	195	22.8	983	56.0	69.5	42.4
	राजस्थान	**68548437**	**200**	**21.3**	**928**	**66.1**	**79.2**	**52.1**

स्रोत–भारतीय जनगणना, 2011

राजस्थान के प्रत्येक जिले में जनसंख्या का वितरण असमान है। पश्चिमी राजस्थान में कम तो पूर्वी राजस्थान में अधिक जनसंख्या पाई जाती है। राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 10 प्रतिशत भाग अकेले जयपुर जिले में रहता है तो वहीं जैसलमेर में राज्य की 1 प्रतिशत से भी कम जनसंख्या पाई जाती है। पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश में राज्य के लगभग 61 प्रतिशत भाग पर लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। यहाँ जन घनत्व सबसे कम औसतन 130 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है। अलवर, भरतपुर, दौसा, जयपुर, धौलपुर, जयपुर, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली, भीलवाड़ा आदि राज्य के पूर्वी समतल मैदानी क्षेत्र के जिले जिनमें राज्य के केवल 20 प्रतिशत भाग पर राज्य की लगभग 33 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। यहाँ का जन घनत्व 332 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. है, जो राज्य में सर्वाधिक है। मैदानी भाग में कृषि के अनुकूल परिस्थितियों जैसे–समतल मैदान, पानी की उपलब्धता, देश की राजधानी दिल्ली से समीपता, उद्योग, वाणिज्य और परिवहन की आधारभूत सुविधाओं के कारण विकास अधिक होने से जनसंख्या भी अधिक निवास करती है। अरावली पर्वतीय भाग तथा दक्षिणी–पूर्वी पठारी प्रदेश में राजस्थान का मध्यम जन घनत्व पाया जाता है। पश्चिमी राजस्थान में कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और आधारभूत सुविधाओं की कमी के कारण जनसंख्या कम है। फ़िर भी यह ध्यान देने की बात है की विश्व के अन्य मरुस्थलों की तुलना में थार मरुस्थल जनसंख्या की दृष्टि से सबसे सघन बसा मरुस्थल है।

आओ करके देखें–

सारणी संख्या 1 को देखकर उत्तर दीजिए।

1. राजस्थान के किन दो जिलों में जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक है?
2. राजस्थान के किस भाग में जन घनत्व कम पाया जाता है व क्यों?

जनसंख्या वृद्धि

एक अनुमान के अनुसार ईसा सदी के पहले वर्ष में विश्व की कुल आबादी 17 करोड़ के लगभग थी जो वर्तमान में बढ़कर 700 करोड़ से अधिक हो गयी है। अतः पृथ्वी पर जनसंख्या लगातार बढ़ती चली आ रही है। इसी तरह भारत एवं राजस्थान की जनसंख्या भी लगातार बढ़ रही है।

आओ करके देखें :–

सारणी संख्या 1 में देखकर राजस्थान की जनसंख्या वृद्धि दर में 30 प्रतिशत से अधिक एवं 15 प्रतिशत से कम वृद्धि दर वाले जिलों की सूची बनाइए।

किसी निश्चित अवधि में जनसंख्या में आए बदलाव को जनसंख्या परिवर्तन कहते हैं। जनसंख्या का बढ़ना और घटना दोनों ही परिवर्तन हैं। जनसंख्या परिवर्तन के आंकलन के लिये जिस मापक का प्रयोग होता है उसे जनसंख्या वृद्धि दर कहा जाता हैं। जनसंख्या वृद्धि दर एक निश्चित अवधि में जनसंख्या में हुए बदलाव या परिवर्तन का आंकलन करता है।

अगर किसी कारण से किसी स्थान की जनसंख्या, किसी एक वर्ष या दशक में पिछले वर्ष या दशक से कम हो जाए तो इसे जनसंख्या पतन या ऋणात्मक वृद्धि कहते हैं और यदि बढ़ जाए तो उसे धनात्मक वृद्धि कहा जाता है।

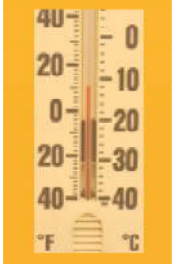

जनसंख्या वृद्धि दर ज्ञात करने की विधि–

जनसंख्या वृद्धि दर पता करने के लिये तीन तरह की जानकारियों की आवश्यकता होती है–

(1) किसी स्थान (देश, राज्य, जिला आदि) की किसी एक समय की आबादी, उदाहरण के लिये 2011 में राजस्थान की आबादी को लेते हैं,

(2) राजस्थान की किसी दूसरे समय की आबादी– यहाँ हम 2001 की जनसंख्या ले लें,

(3) इन दो वर्षो में अंतराल कितना है ? अर्थात् हम यह पता करेंगे कि 2001 और 2011 में कितने वर्ष हैं। अब हम जनसंख्या वृद्धि दर निम्नलिखित सूत्र से जान सकते हैं–

$$\text{जनसंख्या वृद्धि दर} = \frac{\text{2011 की जनसंख्या} - \text{2001 की जनसंख्या}}{\text{2001 की जनसंख्या}} \times 100$$

अब हम उपर्युक्त सूत्र का प्रयोग करेंगे :

1. 2011में राजस्थान की जनसंख्या – 68548437
2. 2001 में राजस्थान की जनसंख्या – 56507188
3. 2011 और 2001 का अंतराल – 10 वर्ष

$$\text{जनसंख्या वृद्धि दर} = \frac{68548437 - 56507188}{56507188} \times 100 = 21.31 \text{ प्रतिशत}$$

अतः राजस्थान की जनसंख्या वृद्धि दर प्रति दशक (10 सालों में) 21.31 प्रतिशत रही।

जनसंख्या वृद्धि तीन कारको पर निर्भर है–जन्म, मृत्यु और प्रवास। इन तीनों कारणों के समीकरण से जनसंख्या में परिवर्तन होता है। हर प्राणी जो पैदा होता है उसकी मृत्यु भी होती हैं, अतः जन्म और मृत्यु एक जैविक घटना है। हाँ ये हो सकता है कि मृत्यु का कारण अलग–अलग हों। कोई प्राकृतिक रूप से अपनी आयु पूरी कर वृद्धावस्था के बाद मर जाता है तो कोई किसी दुर्घटना के कारण और कोई कुपोषण या बीमारी से। जन्म और मृत्यु की संख्या में अंतर से जनसंख्या में बढ़त या घटत होती है, जिसे प्राकृतिक वृद्धि कहते हैं। जन्म दर अगर मृत्यु दर से अधिक हो तो जनसंख्या में वृद्धि होती हैं। यदि जन्म दर मृत्यु दर से कम हो तो जनसंख्या में कमी आती हैं, और अगर दोनों समान हों तो जनसंख्या में संतुलन बना रहता है। आप्रवास एवं उत्प्रवास के अंतर को जब प्राकृतिक वृद्धि में जोड़ते है तब जनसंख्या वृद्धि का सही अनुमान लग पाता है।

प्रवास का अर्थ है किसी व्यक्ति द्वारा अपना निवास स्थान बदल देना जिसके प्रमुख कारण सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक और प्राकृतिक आपदा आदि हो सकते हैं। उदाहरण के लिये जब कोई व्यक्ति गाँव से शहर, एक गाँव से दूसरे गाँव, एक शहर से दूसरे शहर, किसी एक देश या राज्य से किसी दूसरे देश और राज्य में जाकर बस जाता है तो इस प्रक्रिया को प्रवास कहते हैं। एक स्थान से किसी व्यक्ति के जाने को उत्प्रवास तथा आने को आप्रवास कहा जाता है। दो देशों के मध्य होने वाले प्रवास को अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास एवं

एक देश की सीमा के अंदर होने वाले आवास स्थानान्तरण को आंतरिक प्रवास कहा जाता है।

अनुकूल जनसंख्या

हमारे देश में जनसंख्या तेजी से बढ़ने के कारण प्रति व्यक्ति संसाधनों की उपलब्धता में कमी आ रही है, जिससे हमें अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अतः हमें जनसंख्या वृद्धि दर को घटाना होगा। जिसका सबसे सरल उपाय है हमारा परिवार छोटा रखने के लिए हमें 'हम दो, हमारे दो' की विचारधारा को अपनाना होगा। यदि प्रत्येक माता–पिता की दो ही संताने होगी तो जनसंख्या में वृद्धि होना स्वतः ही रुक जाएगा। परिवार छोटा होने पर सभी सदस्यों में संसाधनों की उपलब्धता अधिक होगी। जनसंख्या स्थिर होने के बाद देश में सामाजिक–आर्थिक विकास तेज गति से होगा।

भारत और राजस्थान में पिछले छह दशाब्दियों में जनसंख्या वृद्धि की तुलना

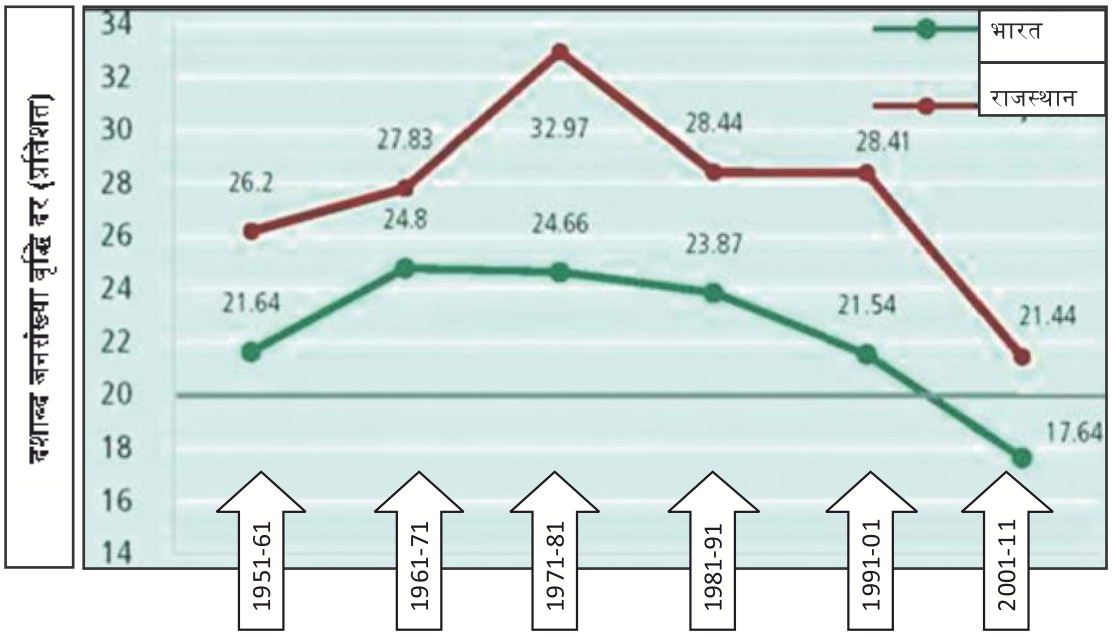

भारत और राजस्थान में जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्ति को ऊपर दिए आरेख से जानने का प्रयत्न कीजिए। आप पाएँगे कि 1951–61 के दशक से 2001–2011 तक राजस्थान में जनसंख्या की वृद्धि दर भारत की तुलना में अधिक रही है। पिछले दशक में जनसंख्या वृद्धि दर में तेजी से कमी आई है। बाड़मेर और जैसलमेर में जनसंख्या में सबसे अधिक तथा गंगानगर में सबसे कम वृद्धि हुई है।

राजस्थान के आठ जिलों में जनसंख्या में वृद्धि भारत (17.6 प्रतिशत) की औसत अंक से कम रही। गंगानगर के अलावा ये जिले हैं –झुंझुनू, पाली, बूँदी, चित्तौड़गढ़, सीकर, हनुमानगढ़ और टोंक।

अपनी समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति मानव प्राकृतिक संसाधनों द्वारा ही पूरा करता है, लेकिन समस्या यह है कि जनसंख्या लगातार बढ़ रही है लेकिन प्राकृतिक संसाधनों में वृद्धि नहीं होती है। अतः संसाधनों में धीरे–धीरे कमी आती जाती है। हमारे देश में भी खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि हुई है लेकिन

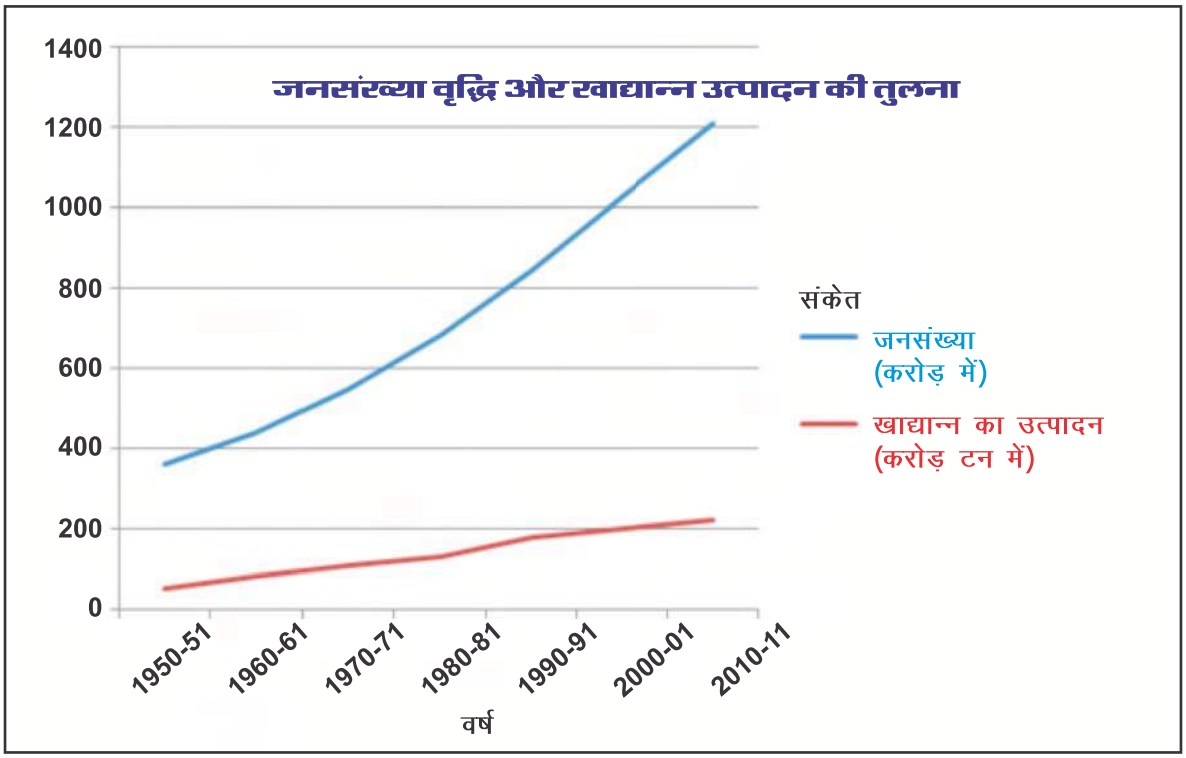

खाद्यान्न की तुलना में जनसंख्या में वृद्धि अधिक हुई जिससे अब भी खाद्यान्न का संकट बना हुआ है। ऐसी स्थिति में कृषि की उत्पादन क्षमता को बढाने के लिए आधुनिक सिंचाई एवं तकनीक का सहारा लिया गया है, क्योंकि जनसंख्या के साथ पृथ्वी के क्षेत्रफल को नहीं बढ़ाया जा सकता है। बढ़ती आबादी के लिये मकान, उसके आवागमन के लिए परिवहन के साधन जैसे सड़क, रेलमार्ग आदि और उसके रोज़गार के लिए भी भूमि की माँग लगातार बढ़ती ही जा रही है। अतः जनसंख्या में हो रही वृद्धि को कम करना अत्यावश्यक है।

लिंगानुपात

प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या को लिंगानुपात कहा जाता है। भारत में केरल एवं पुडुच्चेरी में ही स्त्रियों की संख्या पुरुषों की संख्या से अधिक है। अन्य सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में पुरुषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या कम है जो बड़ी चिंता का विषय है। लिंगानुपात से हमें समाज में महिलाओं की स्थिति का पता चलता है। 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में लिंगानुपात 928 है जबकि 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों में लिंगानुपात केवल 888 है, जो अत्यंत कम है। इसके क्या कारण हो सकते हैं और यह आगे क्या समस्या पैदा कर सकता है? यदि समाज में महिलाओं की स्थिति अच्छी होगी एवं उनका सम्मान होगा तो उस समाज या प्रदेश में लिंगानुपात उच्च होगा और जिस समाज में महिलाओं की स्थिति निम्न होगी उस समाज में लिंगानुपात भी निम्न होगा।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

भारत सरकार द्वारा देश में महिला सशक्तीकरण एवं बेटियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए जनवरी, 2015 को देश में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य बेटियों को शिक्षा द्वारा सामाजिक–आर्थिक आधार पर आत्मनिर्भर बनाना है।

आधुनिक तकनीकी द्वारा गर्भ में बच्चे के लिंग का पता लग जाने से कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, महिलाओं के प्रति हिंसा, बाल विवाह, पुरुष प्रधान समाज, प्रवास के कारण नगरों में पुरुषों का अधिक होना, शिक्षा एवं कार्य संबंधी भेदभाव आदि कारणों से वर्तमान में बेटियाँ अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। इसलिए सरकार ने यह योजना बेटियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए शुरू की है। यह योजना हमारे देश एवं समाज के लिए एक वरदान है। यदि बेटियों को सुरक्षा प्रदान नहीं की गई तो निकट भविष्य में इनकी संख्या कम होने से लिंगानुपात घट जाएगा। इसका समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा एवं शादी के लिए बेटियों की कमी और महिलाओं के प्रति अपराध जैसी कई समस्याओं का जन्म होगा।

'हम माँ चाहते हैं, बहन चाहते हैं, बहू चाहते हैं, फिर बेटी क्यों नहीं?'

आओ करके देखें–

सारणी संख्या 1 को देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. राजस्थान में सर्वाधिक व सबसे कम लिंगानुपात वाले दो–दो जिलों के नाम लिखिए।

साक्षरता

जनसंख्या दर से किसी भी क्षेत्र की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का पता लगाया जा सकता है। यह जनांकिकी में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बिंदु है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की कुल साक्षरता 66.10 प्रतिशत है। 76.6 प्रतिशत के साथ कोटा राज्य में सर्वाधिक साक्षरता वाला जिला है जबकि सबसे कम साक्षरता जालोर में 54.9 प्रतिशत है। पुरुष व महिला साक्षरता क्रमशः झुंझुनू एवं कोटा में सर्वाधिक तथा क्रमशः प्रतापगढ़ व जालोर में न्यूनतम है।

धार्मिक संरचना

भारत की तरह हमारा राज्य भी एक धर्म निरपेक्ष राज्य है, अर्थात् यहाँ सभी प्रकार के धर्मों को मानने वाले लोग रह सकते हैं। यह राज्य हिंदू, मुसलमान, सिक्ख, ईसाई, जैन, बौद्ध और इन मुख्य धर्मो के कई संप्रदायों जैसे शैव, वैष्णव, शिया, सुन्नी, मेव, पठान की जन्म और कर्म भूमि है। यहाँ हिंदुओं का तीर्थ पुष्कर, जैनों का दिलवाड़ा एवं इस्लाम का अजमेर शरीफ हैं। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार हिंदू धर्मावलंबियों की आबादी 88.5 प्रतिशत हैं। मुसलमान 9.1 प्रतिशत और शेष जनसंख्या सिक्ख, जैन एवं अन्य धर्मों के अनुयायियों की है।

आओ करके देखें–

सारणी संख्या 1 को देखकर नीचे दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राजस्थान में कुल जनंसख्या..... जन घनत्व..... वृद्धि दर..... . लिंगानुपात..... साक्षरता..... पुरुष साक्षरता..... एवं महिला साक्षरता..... है।
2. आपके जिले (.....) की पहचान कर नीचे दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। कुल जनंसख्या..... जनघनत्व..... वृद्धि दर..... लिंगानुपात.....साक्षरता.....पुरुष साक्षरता.....एवं महिला साक्षरता.....है।

भाषाई परिदृश्य

राजस्थान की आधिकारिक भाषा हिंदी है, लेकिन आम बोल–चाल और लोक साहित्य में राजस्थानी और उसकी सहयोगी भाषाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। राजस्थानी आर्यभाषा परिवार का एक भाषा समूह है जिसमें कई बोलियाँ जैसे मारवाड़ी, मेवाड़ी, वागड़ी, ढूँढाड़ी, शेखावाटी आदि प्रमुख हैं। इनके अलावा यहाँ भीली, मेवाती, गुजराती, उर्दू और ब्रज भाषा भी बोली जाती है। ये भाषाएँ राज्य के अलग–अलग प्रदेशों में अवश्य बोली जाती है, लेकिन उन्होंने एक लम्बे समय से एक–दूसरे के साथ सामाजिक और व्यापारिक लेन–देन के माध्यम से लगातार संबंध बनाए रखा है।

अनुसूचित जनजातियाँ

राजस्थान के सतरंगी सांस्कृतिक परिवेश को राज्य की जनजातियाँ और भी आकर्षक बनाती है। अनुसूचित जनजातियाँ अधिकतर गाँव में, पहाड़ों, पठारों और जंगलों में निवास करती हैं। अधिकांश खेती,

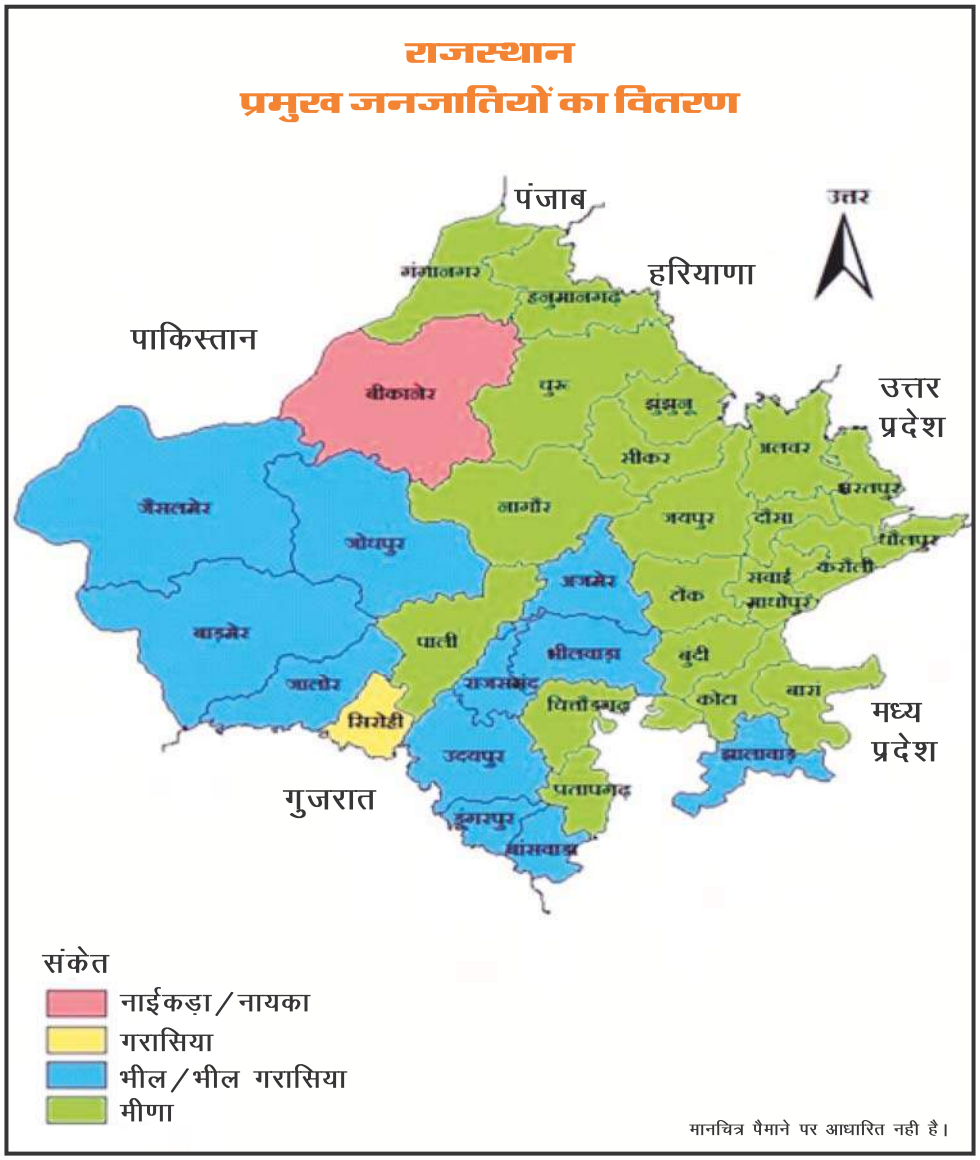

मजदूरी, जंगल के उत्पाद को एकत्र कर अपना जीवन व्यतीत करती हैं। राजस्थान में जनजातीय आबादी सिरोही से प्रारम्भ होकर उदयपुर, डूँगरपुर, चित्तौड़गढ़ तथा बाँसवाड़ा जिलों से होते हुए बूँदी, कोटा, सवाईमाधोपुर, टोंक तथा जयपुर जिलों के बीच निवास करती है।

राज्य की प्रमुख जनजातियाँ भील, गरासिया, मीणा और सहरिया हैं। राजस्थान में सर्वाधिक जनसंख्या मीणा जनजाति की है। इसके अतिरिक्त भील, गरासिया एवं सहरिया जनजातियाँ भी प्रमुख हैं। सहरिया राजस्थान की एकमात्र जनजाति है जिसे भारत सरकार ने आदिम जनजाति समूह की सूची मे शामिल किया है।

राजस्थान की सबसे प्राचीन जनजाति भील है। भीलों की भाषा में द्रविड़ या मुण्डा भाषा के शब्द पाए जाते हैं। दक्षिणी राजस्थान में इसे ''वागड़ी'' या ''भीली'' कहते हैं। इनकी मुख्य आजीविका कृषि एवं वनोपज है। मीणा जनजाति की लगभग आधी से अधिक जनसंख्या जयपुर, दौसा, सवाईमाधोपुर, करौली एवं उदयपुर जिलों मे निवास करती हैं। सहरिया शब्द की उत्पत्ति फारसी शब्द ''सहर'' से हुई है, जिसका अर्थ जंगल या वन में निवास करने वाले लोग है। राजस्थान के बाँरा जिले के शाहबाद एवं किशनगंज तहसीलों में सहरिया सर्वाधिक है। कृषि, मजदूरी, लकड़ी एवं वनोपज एकत्र करना इनकी आजीविका के मुख्य साधन हैं।

आओ करके देखें–

1. राजस्थान की प्रमुख बोलियों और धर्मो की सूची बनाइए।
2. जनजातियों के वितरण मानचित्र को देखकर प्रमुख जनजातियों एवं उनके जिलों को पहचानिए एवं नीचे दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

जनजाति	**उनके प्रमुख जिले**
नाईकड़ा / नायक	.....
गरासिया	.....
भील / भील गरासिया	.....
मीणा	.....

3. क्या आपके जिलें में मानचित्र में दी गई जनजाति के अतिरिक्त कोई अन्य जनजाति पाई जाती है? यदि हाँ तो अपने शिक्षक एवं परिवार के सदस्यों की सहायता से उनके बारे में जानकारी एकत्र कीजिए।

शब्दावली

वनोपज	–	वनों से प्राप्त उपज
प्रवास	–	किसी स्थान को स्थाई रूप से छोड़कर जाना
आप्रवास	–	किसी स्थान को स्थाई रुप से छोड़कर आना

अभ्यास प्रश्न

1. **सही विकल्प को चुनिए–**

   (i) राजस्थान की सबसे प्राचीन जनजाति है–

   (क) भील (ख) मीणा (ग) गरासिया (घ) सहरिया ( )

   (ii) राजस्थान के किस भौतिक विभाग में जनसंख्या घनत्व सबसे कम पाया जाता है।

   (क) पूर्वी मैदान (ख) मरुस्थल प्रदेश

   (ग) हाड़ौती का पठार (घ) अरावली पर्वतमाला ( )

2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

   अ. राजस्थान में सर्वाधिक जनसंख्या ..... जनजाति की है।

   ब. सन् 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की कुल साक्षरता ..... प्रतिशत है।

   स. राजस्थान में 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों में लिंगानुपात ..... है।

   द. हमारा राज्य भी एक ..... निरपेक्ष राज्य है।

3. जनसंख्या वृद्धि के तीन कारक कौन–कौन से हैं?
4. 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना क्यों चलाई गई है?
5. जनसंख्या परिवर्तन किसे कहते हैं?
6. जनसंख्या वृद्धि दर ज्ञात करने का सूत्र को एक उदाहरण द्वारा समझाइए।
7. राजस्थान में जनसंख्या के प्रादेशिक वितरण को समझाइए।
8. लिंगानुपात किसे कहते हैं? राजस्थान के परिपेक्ष्य में समझाइए।
9. राजस्थान की जनजातियों पर एक लेख लिखिए।